मौलाना आज़ाद एज्युकेशन फाउंडेशन

रजि नं. 04/14/01/13522/11

12, हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, महाराजपुर जबलपुर जिला जबलपुर म.प्र. 482 004

वार्षिक प्रतिवेदन 2020 – 2021

1.	संस्था का नाम	:-	**मौलाना आज़ाद एज्युकेशन फाउंडेशन**
2.	कार्यालय का पता	:-	12, हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, जबलपुर जिला जबलपुर म.प्र. 482 004
3.	दूरभाष क्रमांक	:-	0761-2680822, 9425471236
4.	स्थापना दिवस	:-	06 जून 2011
5.	संपर्क सूत्र	:-	आरती रायकवार, सुभाष नगर हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, जबलपुर जिला जबलपुर म.प्र. 482 004
6.	पद	:-	अध्यक्ष
7.	ईमेल आई डी	:-	recordrk6@gmail.com

संस्था की सामान्य जानकारी :- संस्था मौलाना आज़ाद एज्युकेशन फाउंडेशन संस्था की स्थापना दिव्यांगजनों, कमजोर वर्ग एवं दिव्यांग महिलाओं, कुपोषित बच्चों को पुनर्वास कर समाज की मुख्य धारा से जोड़कर उनका सामाजिक, आर्थिक, राजनैतिक एवं शैक्षणिक विकास कर शसक्त नागरिक बनाने एवं महिला पर होने वाले योन अत्याचारों, घरेलु हिंसा एवं कन्या भ्रूणहत्या जैसी जटिल समस्या पर कार्य कर महिलाओं के सर्वांगीर्ण विकास में योगदान हेतु प्रतिबद्ध हैं | संस्था प्रदेश में नशामुक्त समाज के निर्माण हेतु प्रतिबद्ध एवं निराश्रितों, निःशक्तजनों को समान, अवसर अधिकार

संरक्षण और पूर्ण भागीदारी के लक्ष्य पर कार्यरत होकर केंद्र एवं राज्य सरकार तथा जनभागीदारी के संयुक्त प्रयासों से समाज में अंतिम छोर के व्यक्ति को मुख्य धारा में जोड़ने हेतु प्रतिबद्ध हैं | संस्था मानव समाज के सम्पूर्ण विकास के साथ-साथ ही समाज के अन्य ज्वलंत समस्या जैसे भूकम्प, पर्यावरण संरक्षण, भ्रष्टाचार आदि समस्याओं पर कार्य करने उद्देश्य से समाज के कुछ ख्यातिप्राप्त व्यक्तियों के समूह द्वारा दिनांक 06 जून 2011 को स्थापित की गई |

संस्था की वर्ष 2020-21 की

वैश्विक कोविड 19 महामारी संक्रमण काल वर्ष 2020-21 में संस्था द्वारा समाज कल्याण पुनर्वास के क्षेत्र में विभिन्न सेवा कार्य गतिविधियों के माध्यम से संपन्न की गई जिसका संक्षिप्त विवरण निम्नानुसार है |

घर घर जागरूकता कार्यक्रम :- कोरोना संक्रमण के चलते जहाँ हर एक गतिविधि स्थगित थी वही गंभीर जानलेवा रोगों से पीड़ित लोगो की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए जिला प्रशासन के सहयोग से एचआईवी, केंसर के रोगियों के लिए सेवा कार्य किये गए। चूंकि यह एक संक्रामक रोग है इसलिए इसके लिए खतरा बहुत अधिक है । एड्स से बचने का एक ही तरीका है कि एड्स होने के सभी कारणों के बारे में समाज को जागरूक करें। इस हेतु संस्था द्वारा वर्ष भर तालुका, विकासखंड एवं जिला प्रखंड में घर घर दस्तक के माध्यम से जागरूकता कार्यक्रम एवं संक्रमित व्यक्तियों को समय समय पर दवाईया, रक्त आदि व्यवस्था एवं उनका पुनर्वास किये जाने हेतु कार्य किया गया।

गृह आधारित शैक्षणिक कार्यक्रम :- क्षेत्र में निरक्षरता की बढती दर को कोरोना वैश्विक महामारी काल में भी बड़ने से रोकने के लिए संस्था मौलाना आज़ाद एज्युकेशन फाउंडेशन द्वारा तकनीक का प्रयोग करते हुए ऑनलाइन एवं गृह आधारित नियमित शैक्षणिक कार्यक्रम आयोजित करने वाले स्वयंसेवकों की सहायता से स्थानीय स्तर पर निःशुल्क ऑनलाइन एवं गृह आधारित समावेशी एवं विशेष शिक्षा शैक्षणिक कार्यक्रमों का संचालन किया।

संस्था द्वारा लागु किये गये इस नवीन प्रयोग में आयोजित कार्यक्रम के आयोजन में मिली सफलता को देखते हुए इस कार्यक्रम में अध्ययनरत विद्यार्थीयों को संस्था द्वारा आवश्यक पाठ्य सामग्री व पुस्तकें नि:शुल्क प्रदान की गई। निःशुल्क गुणवत्तापूर्ण समावेशी शिक्षा से विद्यार्थियों को बड़े पैमाने पर लाभ हुआ और कार्यक्रम से लाभान्वित बच्चों एवं उनके माता-पिता द्वारा भी अधिक से अधिक लोगो को इस कार्यक्रम में शामिल होने के लिए प्रचार – प्रसार कर लाभ लेने की अपील की गई।

संस्था द्वारा कमजोर वर्ग के स्थानीय लोगों की शैक्षिक आवश्यकताओं को संस्थागत रूप में स्थानीय स्तर पर पूरा करने के लिए क्षेत्र में एक समावेशी विद्यालय में निःशुल्क ऑनलाइन नियमित कक्षाओं का सफल संचालन किया गया।

संस्था द्वारा संचालित इस परियोजना में कोरोना प्रोटोकॉल का पालन कर बच्चों को समय समय पर परामर्श भी प्रदान किया गया संस्था द्वारा इस माध्यम से 150 गैर दिव्यांग बच्चों एवं 25 बौद्धिक, प्रमस्तिष्क घात एवं बहुदिव्यांग बच्चों को निःशुल्क शिक्षा प्रदान की गई है।

पल्स पोलियो, स्वास्थ्य शिविर एवं नशा मुक्ति जागरूगता

पल्स पोलियो जागरूकता कार्यक्रम :- भारत में पल्स पोलियो टीकाकरण कार्यक्रम 1995 में शुरू किया गया था। 0-5 वर्ष के आयु वर्ग के बच्चों को हर साल राष्ट्रीय और उप-राष्ट्रीय टीकाकरण दौर (उच्च जोखिम वाले क्षेत्रों में) के दौरान पोलियो की खुराक पिलाई जाती है। पल्स पोलियो पहल की शुरुआत ओरल पोलियो वैक्सीन के तहत शत-प्रतिशत कवरेज प्राप्त करने के उद्देश्य से की गई थी। इसका उद्देश्य बेहतर सामाजिक लामबंदी के माध्यम से बच्चों का टीकाकरण करना, उन क्षेत्रों में योजना तैयार करना, जहां पोलियो वायरस लगभग गायब हो गया है और जनता के बीच उच्च स्तर का मनोबल बनाए रखना है।

संस्था मौलाना आज़ाद एज्युकेशन फाउंडेशन द्वारा पल्स पोलियो अभियान की जागरूकता एवं आम जनता को शिक्षित करने के उद्देश्य से घर घर दस्तक कार्यक्रम का आयोजन स्वास्थ्य विभाग के संयुक्त तत्वावधान में कर जनता को जागरूक करने का कार्य किया इस हेतु संस्था द्वारा छोटी छोटी ग्रामसभा एवं मोहल्ला सभा की बैठकें भी ली गई।

स्वास्थ्य शिविर एवं नशा मुक्ति जागरूगता कार्यक्रम – संस्था द्वारा महिलाओं को उनकी स्वास्थ्य आवश्यकताओं और पोषण के बारे में जागरूक करने के उद्देश्य से जागरूकता सृजन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम ग्रामीण महिलाओं को बड़ी संख्या में शामिल कर आयोजित किया गया | इस तरह के कार्यक्रम को संस्था द्वारा उन गांवों में आयोजित किया गया जहां महिलाएं स्वास्थ्य आवश्यकता को स्थानीय स्तर पर प्राप्त करने में कठिनाई महसूस करती है और अपनी समस्याओं को आसानी से बताने में झिजक महसूस करती है एसी स्थति में महिलाओं को स्वास्थ्य सम्बन्धी जानकारियाँ एवं सुविधा प्रदाय कर

जागरूक किया गया। साथ ही उन्हें सरकार द्वारा निष्पादित विभिन्न प्रकार की योजनाओं के बारे में बताया गया।

स्थानीय महिलाओं के कल्याण के लिए उन्हें शिक्षा, रोजगार व तकनीकी मार्गदर्शन आदि भी संस्था के जागरूगता दल द्वारा समय समय पर परामर्श प्रदान कर दि गई। कार्यक्रम में भाग लेने वाली महिला प्रतिभागियों को महिलाओं के आत्मनिर्भरता में शिक्षा की आवश्यकता एवं महत्त्व के बारे में बताया गया। जिसके चलते स्थानीय विद्यालयों में बालिकाओं के प्रवेश की संख्या में वृद्धि दर्ज की गई। संस्था द्वारा महिलाओं को स्वास्थ्य वृद्दि हेतु नि:शुल्क दवाएं भी वितरित की गईं।

नशा मुक्ति और नशा मुक्ति जागरूकता कार्यक्रम :- नशीले प्रदार्थों के बुरे प्रभावों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से शिविरों को आयोजित कर समाज में जागरूगता बढाना। संस्था के स्वयंसेवक गांवों में जाकर धूम्रपान और शराब पीने व तंबाकू के सेवन के प्रभावों के बारे में जागरूकता फैलाने का कार्य किया गया इस अवसर पर संस्था द्वारा फिट इण्डिया केम्पेन की भी शुरुआत की गई।

सोश्यल मीडिया, पोस्टरों और बैनरों आदि प्रचार सामग्री सार्वजानिक स्थलों पर प्रदर्शित कर लोगो को जागरूक किया गया। इसके अलावा जिन लोगों ने शराब की आदत छोड़ दी है, उन्हें नियमित परामर्श के माध्यम से इस आदत को छोड़ने के लिए संयम बरतने के लिए प्रोत्साहित किया।

दिव्यांगजन एवं वरिष्ठजन कल्याण एवं पुनर्वास

विशेष विद्यालय सह व्यावसायिक पुनर्वास केंद्र – कोरोना काल में भी संस्था मौलाना आजाद एज्युकेशन फाउंडेशन द्वारा समुदाय आधारित पुनर्वास एवं प्रशिक्षण कार्यक्रमों का घर घर दस्तक एवं ऑनलाइन कार्यक्रम आयोजित कर सक्रीय क्रियान्वयन किया गया हेतु संस्था ने सामाजिक न्याय एवं निःशक्तजन कल्याण विभाग मध्यप्रदेश शासन द्वारा निर्देशित कोरोना प्रोटोकॉल का पालन करते हुए विभाग के नियमानुसार स्थानीय बौद्धिक, ऑटिज्म, सेरेब्रल पाल्सी, बहुदिव्यांग, श्रवण, दृष्टि एवं शारीरिक दिव्यांग व्यक्तियों बच्चों व महिलाओं के लिए विभिन्न मास्क, सेनेटाईज़र, सुखा राशन घर घर जाकर वितरित किया | **संस्था द्वारा दिव्यांगजनों को समावेशी एवं विशेष विद्यालय कार्यक्रम द्वारा 0 से 10 वर्ष आयु के बौद्धिक दिव्यांग, प्रमस्तिष्क घात, बहुदिव्यांग बच्चों के लिए दिशा शीघ्रहस्तक्षेप कार्यक्रम एवं 10 वर्ष से अधिक आयु के दिव्यांगों को विकास डे केयर व व्यवसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रम को विशेषज्ञों के माध्यम से दिव्यांगजनों को घर पर ही उपलब्ध कराकर योजना का सफल क्रियान्वयन किया संस्था द्वारा इस कार्यक्रम के तहत 25 दिव्यांग बच्चों को लाभान्वित किया गया |**

//

संस्था द्वारा सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग के उपक्रम राष्ट्रीय न्यास द्वारा बौद्धिक, ऑटिज्म, सेरेब्रल पाल्सी, बहुदिव्यांगों हेतु संचालित देश की सर्वश्रेष्ठ निरामय स्वास्थ्य बीमा योजना, एलिम्को कानपुर की एडीप योजना, एन.एच.एफ.डी.सी. की स्किल डेवलपमेंट योजना एवं मध्यप्रदेश शासन की विभिन्न पेंशन योजना के तहत पंजीयन कर कल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से जबलपुर एवं कटनी जिले में निवासरत 130 दिव्यांगजनों को लाभान्वित करने का कार्य किया गया हैं|

वृद्धजन कल्याण कार्यक्रम :- संस्था द्वारा वृद्ध व्यक्तियों के देखभाल एवं उनके मनोरंजन को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से वरिष्ठजनों को को डे केयर केंद्र एवं वृद्धाश्रम की जानकारी प्रदान की गई | कोरोना संक्रमण के चलते स्थगित डे केयर केन्द्रों की सुविधा संस्था द्वारा वृद्धजनों को स्थानीय स्तर पर मनोरंजन सामग्री एवं खाद्य सामग्री भेट कर की गई संस्था द्वारा पारिवारिक विवादों को परामर्शदाता की मध्यस्थता द्वारा दूर करने का प्रयास किया गया |

संस्था द्वारा वरिष्ठ नागरिकों के लिए शासन द्वारा संचालित कल्याण कार्यक्रम में भागीदारी कर सफल आयोजन किये। केन्द्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय की वयोश्री योजना के तहत वरिष्ठजनों को निःशुल्क सहायक उपकरण परीक्षण शिविरों एवं वितरण शिविरों के माध्यम से प्रदाय कर 45 वरिष्ठजनों लाभान्वित करने का कार्य किया गया |